REGISTERED NO. D. (D.N.) 127



असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 2 PART I—Section 2

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ti. 15] No. 15] नई विस्त्रो, शुरु गर, जस्तूबर, 21, 1938 [/] अधिस्त्र - 29, 1910 NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 21, 1988/ASVINA 29, 1910

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्मिक, लोक जिकायन तथा पेंगन मंत्राक्य

(कार्मिक और प्रशिवण विशाप)

नई दिल्ली, 21 श्रम्तूबर, 1988

ऋबिश्व ग

संख्या ए -11013/21/85-ए. टी. :— प्रणासिक अधिकरण अधिकियम, 1985 (1985 का 13) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गितामों का प्रमान करते हुए, सप्ट्रमित, श्री बी. सी. साथुर, उपाध्यक्ष, केन्द्रीय प्रणासिक अधिकरण का तत्कान प्रभाव से

सथा न्याय-मूर्ति श्री के. माधव रेड्डी के कार्यकाल के समाप्त होने के कारण उक्त श्रधितियम के उपबंधों के श्रनुसार श्रध्यक्ष के खाली पद को भरने के लिए नए श्रध्यक्ष के नियुक्त होने तथा उनके द्वारा कार्यभार संभालने को तारीख तक, केन्द्रीय प्रशासनिक श्रधिकरण के श्रध्यक्ष के पद पर कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

शीमतो कृष्णा सिंह, संयुक्त सनिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)
New Delhi, the 21st October, 1988

NOTIFICATION

No. A-11013|21|85-AT.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 7 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the President is hereby pleased to authorise Shri B. C. Mathur, Vice-Chairman, Central Administrative Tribunal, to act as the Chairman of the Central Administrative Tribunal with immediate effect until the date on which a new Chairman, is appointed in accordance with the provisions of the said Act to fill the vacancy occurred in the office of the Chairman by reason of the expiry of the term of office of Shri Justice K. Madhava Reddy, and enters upon his office.

Smt. KRISHNA SINGH, Jt. Secv.